एक साल में बढ़ गए दो लाख ईएसआईसी कार्ड धारक

2022-23 में जिले में ईएसआईसी से संबद्ध 12.63 लाख बीमित व्यक्ति थे, जो 2023-24 में बढ़कर 14.80 लाख हो गए

संवाद न्यूज एजेंसी

गुरुग्राम। साइबर सिटी में कामकाजी श्रमिकों की संख्या के साथ ही बीमित कर्मचारियों की संख्या में इजाफा हुआ है। जहां वर्ष 2022-23 में जिले में ईएसआईसी से संबद्ध 12.63 लाख बीमित व्यक्ति थे, जो वर्ष 2023-24 के दौरान बढ़कर 14.80 लाख हो गए। इसमें 571 महिला कर्मियों को 4.57 करोड़ रुपये मातृत्व हितलाभ के रूप में भुगतान किया गया।

इसके अलावा श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य और कल्याणकारी सेवाएं प्रदान करने में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के गुरुग्राम उप क्षेत्रीय कार्यालय ने कुछ वर्षों में शानदार प्रगति की है। इसके चलते श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की ओर से उप क्षेत्रीय कार्यालय उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने के लिए पुरस्कृत किया है। संयुक्त निदेशक(प्रभारी) सुनील यादव ने बताया कि गुरुग्राम एवं मानेसर में स्थित ईएसआईसी अस्पताल में नए चिकित्सा उपकरणों की व्यवस्था की गई है, ताकि अधिक से अधिक श्रमिकों को इलाज की सुविधाएं मिल सकें। इसके अलावा, ईएसआईसी द्वारा शुरू की गई टेलीमेडिसिन, बुजुर्ग एवं निशक्त लाभार्थियों को घर पर दवाएं भेजने और स्वास्थ्य जांच आदि श्रमिकों को घर बैठे सुविधा प्रदान की हैं।

गुरुग्राम के सिविल लाइन स्थित ईएसआईसी कार्यालय। संवाद

उन्होंने बताया कि वर्तमान में निगम से 3400 से ज्यादा स्थायी दिव्यांग जन, जीवन पर्यंत मासिक हितलाभ प्राप्त कर रहें हैं वहीं 1750 से ज्यादा लोग आश्रित जन हितलाभ हर माह प्राप्त कर रहे हैं इसके अतिरिक्त वर्ष 2023-24 में 3 हजार से ज्यादा बीमित व्यक्तियों को 3.69 करोड़ रुपये बीमारी हितलाभ के रूप में भुगतान किया है।

सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार: ईएसआईसी ने खुद को सिर्फ स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित नहीं रखा, बल्कि श्रमिकों के कल्याण के लिए निरंतर सेवारत है। इनमें बीमारी हितलाभ, मातृत्व हितलाभ, स्थायी व अस्थायी विकलांगता हितलाभ, आश्रित जन हितलाभ और बेरोजगारी भत्ते जैसी योजनाएं शामिल हैं। इन कल्याणकारी योजनाओं से श्रमिकों को आर्थिक और मानसिक सुरक्षा मिली है, जो उनके जीवन स्तर को सुधारने में मदद कर रही है।

नवोदय टाइम्स
SAT,22 MARCH 2025
EDITION: GURGAON, PAGE NO. 1

ईएसआईसी के हितलाभ पर फिदा हो रहे श्रमिक

2023 में 12 .63 लाख, 2024 में 14 .80 लाख हुए बीमित

24 फरवरी को श्रम रोज़गार मंत्रालय ने किया था सम्मानित

गुडगांव, 21 मार्च (संजय): कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) द्वारा श्रमिकों को दिए जा रहे हितलाभ खूब पसंद आ रहे। यही वजह है कि 24 फरवरी-2024 को श्रम रोज़गार मंत्रालय द्वारा इसकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित भी किया गया।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम ने बीते कुछ वर्षों में अपने कार्यक्षेत्र में शानदार प्रगति की है। यही वजह है कि फरवरी-2024 में श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय ने इसकी उत्कृष्ट सेवाओं पर पुरस्कृत भी किया। वर्ष 2023-24 के दौरान कार्यालय ने अपनी सेवाओं को बेहतर बनाने, सुविधाओं का विस्तार करने के संबंध में कई अहम फैसले लिए। जो प्रत्यक्ष रूप से विभिन्न उद्योग व इकाईयों में कार्य कर रहे श्रमिकों के खूब पसंद आ रही है। जिले के कामकाजी श्रमिकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। वर्ष- 2022-23 में गुरुग्राम में 12.63 लाख बीमित व्यक्ति थे। जो वर्ष-2023- 24 में बढ़ कर 14.80 लाख हो गए। यह इस तस्दीक है कि ईएसआईसी की योजनाओं का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन हुआ है। मौजूदा समय में 3400 से ज्यादा स्थायी दिव्यांग जन को हितलाभ प्रदान किया जा रहा। 1750 लोगों को आश्रित जन हितलाभ दिया जा रहा। 2023-24 तीन हज़ार से ज्यादा बीमितों को रु० 3.69 करोड़ बीमारी हितलाभ, व 571 महिलाओं को 4.57 करोड़ मातृत्व हितलाभ दिए गए। गुरुग्राम खुद एक औद्योगिक व कॉर्पोरेट हब है। यहां के लाखों श्रमिकों की समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना चुनौती थी। बावजूद इसके ईएसआईसी ने इसे स्वीकार किया करते हुए अपनी स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से विस्तार किया। गुरुग्राम व मानेसर में ईएसआईसी के दो बडे अस्पताल है। बुजूर्गों व निशक्तजनों के लिए टेलीमेडिसिन व घर बैठे दवाओं का प्रेषण किया गया।

ईसीआईसी में बीमारी हितलाभ, मातृत्व हितलाभ, स्थायी/अस्थायी विकलांगता हितलाभ, आश्रित जन हितलाभ व बेरोज़गारी भत्ते जैसी योजनाएं शामिल हैं। इन कल्याणकारी योजनाओं से श्रमिकों को आर्थिक और मानसिक सुरक्षा मिली है। बीमित व्यक्तियों के बच्चों के मेडिकल, डेंटल, नर्सिंग की पढ़ाई हेतु निगम के 8 मेडिकल कालेजों, 2 नर्सिंग, 2 डेंटल कॉलेजों में विशेष रूप से सीटें रिज़र्व हैं।

"गुरुग्राम ईएसआईसी श्रमिकों के स्वास्थ्य व कल्याण की दिशा में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। इसके द्वारा की गई पहलें व सुधार क्षेत्र श्रमिकों के जीवन में बदलाव ला रही हैं। योजनाओं के सफल कार्यान्वयन से गुरुग्राम के श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं बीमित व्यक्तियों को प्रदान की जा रही है। -सुनील यादव, संयुक्त निदेशक ईएसआईसी गुडगांव